रेड्डी के बयान पर हैदराबाद में बवाल

भाजपा ने कहा-विवादित टिप्पणी के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री माफी मांगें

हैदराबाद, 3 दिसम्बर. तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी एक कार्यक्रम के दौरान हिंदू देवताओं के बारे में दिए गए विवादित बयान को लेकर तीखी राजनीतिक आलोचना का सामना कर रहे हैं। रेड्डी ने विभिन्न समुदायों और जीवन-शैलियों के लिए अलग-अलग देवी-देवताओं की बात कही, जिसे भाजपा और बीआरएस ने हिंदू आस्था का अपमान बताया। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर हिंदुओं के प्रति गहरी नफरत रखने का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री से बिना शर्त माफी की मांग की है। बढ़ते विवाद के बीच राज्यभर में विरोध प्रदर्शन की तैयारी भी तेज हो गई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हालिया बयान ने राज्य की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है। एक कार्यक्रम में भाषण के दौरान रेड्डी ने कहा कि हिंदू धर्म में हर वर्ग और हर आदत के लिए अलग-अलग भगवान हैं—कुंवारों के लिए हनुमान, दो बार शादी करने वालों के लिए अलग देवता और शराब पीने वालों के लिए अलग भगवान। इस बयान के सामने आते ही भाजपा और बीआरएस ने इसे हिंदू आस्था का मजाक बताते हुए कड़ा विरोध शुरू कर दिया। भाजपा के केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने रेड्डी के बयान को हिंदुओं का अपमान बताते हुए कांग्रेस पर के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

> तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा हिंदू देवी-देवताओं पर की गई कथित विवादित टिप्पणी को लेकर राज्य में राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। बुधवार को हैदराबाद की सड़कों पर भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उतरे और मुख्यमंत्री के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने रेवंत रेड्डी का पुतला दहन किया और सरकार पर हिंदू आस्था को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान हिंदू समाज का अपमान है और इससे उनकी धार्मिक भावनाएँ आहत हुई हैं।
> उन्होंने मांग की कि रेवंत रेड्डी तुरंत सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और अपने शब्द वापस लें।

बंगाल की खाड़ी में भूकंप के झटके

नयी दिल्ली. बंगाल की खाड़ी में मंगलवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र (एनसीएस) ने बताया कि आज सुबह 7-26 बजे बंगाल की खाड़ी में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 मापी गयी। भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। केन्द्र के अनुसार भूकंप 20.56 उत्तरी अक्षांश और 92.31 पूर्वी देशांतर पर 35 किमी की गहराई पर दर्ज किया गया। केन्द्र ने बताया कि इससे पहले दिन में ताजिकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए। ताजिकिस्तान में भारतीय समयानुसार सुबह 4ः35 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.9 मापी गयी। भूकंप की गहरायी 75 किमी पर थी।

राज्यसभा में खरगे के निशाने पर नड्डा

नयी दिल्ली, 03 दिसंबर. राज्यसभा में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की दोला सेन के बयान पर सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने हस्तक्षेप किया जिस पर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन पर संसदीय लोकतंत्र को ध्वस्त करने का आरोप लगाया और कहा कि उनका काम सदन चलाना नहीं है। दोला सेन ने शून्य काल में देश भर में राजभवनों का नाम बदलकर लोकभवन करने का मुद्दा उठाया था।

उन्होंने कहा कि लोक का मतलब आम लोगों से है, लेकिन केंद्र सरकार को लोगों की चिंता नहीं है, बंगाल के लोगों की परेशानी उसे नहीं दिखती। इसके बाद उन्होंने मनरेगा के तहत पश्चिम बंगाल के बकाये का मुद्दा उठाया। सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने व्यवस्था दी कि तृणमूल नेता ने स्वीकृत पाठ से अलग जो भी कुछ कहा है वह रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होगा। इसके बाद श्री नड्डा ने भी हस्तक्षेप करते हुए कहा कि श्रीमती सेन ने बताया था कि वह राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन करने के मुद्दे पर बोलेंगी। उन्होंने सभापति से आग्रह किया कि अन्य सभी बातों को रिकॉर्ड से हटा दिया जाये। सदन के नेता के हस्तक्षेप करने पर आपत्ति जताते हुए खरगे ने कहा कि तृणमूल नेता ने किसी असंसदीय भाषा का इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने वही कहा है जो सभापति के कार्यालय से मंजूर किये गये विषय से संबंधित था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि श्री नड्डा सदन के अंदर लोकतंत्र को ध्वस्त करने का काम कर रहे हैं। वह बता रहे हैं कि क्या रिकॉर्ड में जाना चाहिए और क्या नहीं, उनका काम सदन चलाना नहीं है।

> श्री खरगे को जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा, मैंने कहा कि जो भी विषय से संबंधित बातें हैं वही रिकॉर्ड पर जानी चाहिये, जो संबंधित नहीं है वह नहीं जानी चाहिये। बाद में सदन में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि श्रीमती सेन ने राजभवनों के नाम लोकभवन किये जाने का मुद्दा उठाया था। लोक मतलब आम लोग। उन्होंने बंगाल के आम लोगों की पीड़ा सदन में रखी है और उसी सिलसिले में मनरेगा का मुद्दा उठाया है।

खुदीराम बोस-युवा क्रांति के अमर नायक को अमित शाह का नमन

नई दिल्ली, 03 दिसंबर. अमित शाह ने कहा-खुदीराम बोस की वीरगाथा राष्ट्र प्रथम की भावना का अमूल्य प्रेरणास्रोत, जिसने अनगिनत युवाओं में स्वतंत्रता की लौ प्रज्वलित की। महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी खुदीराम बोस की जयंती पर पूरा राष्ट्र एक बार फिर उनके शौर्य, त्याग और अदम्य साहस को स्मरण कर रहा है।

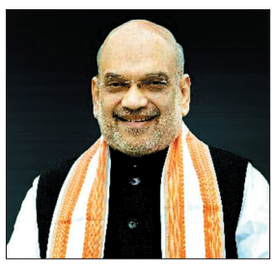

देश के केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर - प्लेटफॉर्म के माध्यम से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि खुदीराम बोस न केवल स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी युवा सेनानी थे, बल्कि वे ऐसी प्रचंड क्रांतिकारी शक्ति थे जिन्होंने असंख्य युवाओं के भीतर परतंत्रता के विरुद्ध संघर्ष की अग्नि प्रज्वलित की। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि मातृभूमि के लिए समर्पण और साहस उम्र का मोहताज नहीं होता।

पश्चिम बंगाल के सांसदों से मिले पीएम

नई दिल्ली, 03 दिसंबर. बिहार में चुनाव जीतने के ठीक बाद से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना फोकस पश्चिम बंगाल की तरफ मोड़ रखा है. संसद के शीतकालीन सत्र के बीच पीएम ने पश्चिम बंगाल के सांसदों से मुलाकात की और उन्हें जीत का मंत्र दिया.

पश्चिम बंगाल में साल 2026 यानि अगले साथ विधानसभा चुनाव होने हैं. विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के बीजेपी सांसदों को सलाह दी है कि राज्य में चल रहा एसआईआर अभियान सरल और पारदर्शी रहे.उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से जटिल न बनाया जाए और यह संदेश बूथ स्तर तक पहुंचना चाहिए.

> **विपक्ष की बयानबाजी से विचलित न हों**
> टीएमसी या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सीधे तौर पर नाम लिए बिना प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को सलाह दी कि वे विपक्ष की बयानबाजी से विचलित न हों. उन्होंने याद दिलाया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी किस तरह बढ़ी है. 2011 में मात्र तीन विधायकों से लेकर 2016 तक पार्टी की उपस्थिति में बड़ा विस्तार हुआ और इस प्रगति को लगातार आगे बढ़ाने की आवश्यकता है.

सीबीआई ने व्हाट्सएप-सीबीआई घोटालों से सावधान रहने का किया आग्रह

शिमला. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने व्हाट्सएप संदेशों, वीडियो कॉल, ईमेल और फर्जी फोन नंबरों के माध्यम से सीबीआई अधिकारी बनकर साइबर अपराध करने वालों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि के बाद देशव्यापी अलर्ट जारी किया है। ये संगठित गिरोह मनगढ़ंत आरोपों से लोगों को डरा रहे हैं और अस्तित्वहीन जांचों को निपटाने की आड़ में धन की उगाही कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, धोखेबाज अब अपनी धमकियों को विश्वासपूर्ण बनाने के लिए एआई-जनित सम्मनों, जाली गिरफ्तारी वारंट, गलत पहचान पत्र, डीपफेक आवाज़ एवं वीडियो जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं।

दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में बीजेपी सात सीटें जीतीं

01 सीट कांग्रेस के खाते में गई | **03** सीटें आम आदमी पार्टी की बरकरार

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (वार्ता) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दिल्ली नगर निगम के 12 वार्ड में से सात पर जीत हासिल की. नगर निगम के उपचुनाव 30 नवंबर को हुए थे. मतों की गिनती बुधवार को हुई . दूसरे नंबर पर रही आप को तीन सीटें मिलीं, कांग्रेस और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने एक-एक सीट जीती. इससे पहले 12 वार्डों में से 9 भाजपा और 3 आप के पास थे.

वार्ड के हिसाब से आप के अनिल मुंडका से 1577 मतों के अंतर से जीते, शालीमार बाग बी से भाजपा उम्मीदवार अनीता जैन ने 10,000 से ज्यादा मतों के अंतर से जीत हासिल की. भाजपा की वीना असीजा अशोक विहार से जीतीं और सुमन कुमार गुप्ता चांदनी चौक से जीतीं. ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के इमरान चांदनी महल वार्ड से जीते, जबकि द्वारका बी से भाजपा की मनीषा देवी जीतीं.

कर्नाटक में फिर छिड़ा सियासी संग्राम

वेणुगोपाल के सामने भिड़े सिद्धारमैया-शिवकुमार समर्थक

मंगलुरु, 03 दिसंबर. कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच सत्ता की खींचतान एक बार फिर सामने आ गई है। हाल ही में दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकजुटता का दावा किया था, लेकिन बुधवार को मंगलुरु एयरपोर्ट पर कांग्रेस के दो धड़ों के बीच टकराव ने अंदरूनी तनाव को उजागर कर दिया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल के आगमन पर पहले शिवकुमार समर्थकों ने नारेबाजी की, जिसके बाद सिद्धारमैया समर्थकों ने पलटवार करते हुए पूर्ण कार्यकाल सिद्धारमैया के नारे जोरदार तरीके से लगाए। बुधवार को यह विवाद तब खुलकर सामने आ गया जब एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के मंगलुरु पहुंचते ही एयरपोर्ट परिसर दो गुटों की नारेबाजी से गूंज उठा। पहले डीके शिवकुमार के समर्थकों ने उनके पक्ष में नारे लगाए, जिसके तुरंत बाद सिद्धारमैया समर्थकों ने सिद्ध, सिद्ध, पूर्ण अवधि सिद्ध के नारे लगाकर ष्टरू को पूरे कार्यकाल तक पद पर बनाए रखने की मांग तेज कर दी। यह वाकया ऐसे समय सामने आया है जब ठीक एक दिन पहले ही सिद्धारमैया और शिवकुमार ने ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद भाइयों की तरह साथ काम करने का दावा किया था।

देशभर के कई एयरपोर्ट पर चेक-इन सिस्टम में गड़बड़ी

- बेंगलुरु में 42 फ्लाइट कैंसिल
- हैदराबाद और दिल्ली में भी दिखा असर

नई दिल्ली, 03 दिसंबर. देश के कई एयरपोर्ट्स पर बुधवार सुबह चेक-इन सिस्टम अचानक ठप हो गया, जिसके कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. रिपोर्ट के अनुसार, इस तकनीकी गड़बड़ी की वजह से कई उड़ानें देरी से चलीं.

वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों को नोटिस जारी कर बताया कि एयरपोर्ट के आईटी और चेक-इन सिस्टम प्रभावित हुए हैं. बेंगलुरु एयरपोर्ट से 42 उड़ानें कैंसिल की गईं.

नोटिस में यह भी बताया गया कि वाराणसी में कई विमान कंपनियों की सेवाएं प्रभावित हुईं. कई जगह एयरलाइंस को मैनुअल चेक-इन और बोर्डिंग पर निर्भर होना पड़ा. तकनीकी गड़बड़ी का सबसे बड़ा असर हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखने को मिला. इसके अलावा बेंगलुरु एयरपोर्ट पर भी कई उड़ानें देरी से चलीं.

आप पर लौट रहा है जनता का विश्वास

- केजरीवाल बोले— जनता का भरोसा लौट रहा
- उपचुनाव में झलक दिखी बदलते समीकरणों की

नई दिल्ली, 03 दिसंबर। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव के नतीजों ने राजधानी की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने सात सीटें जीतकर अपना दबदबा बनाए रखा, जबकि आम आदमी पार्टी ने तीन सीटें अपने नाम कीं।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी इस परिणाम को महत्वपूर्ण सफलता मान रही है। नतीजों के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जनता का विश्वास तेजी से आम आदमी पार्टी की ओर लौट रहा है।

दिल्ली नगर निगम के उपचुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हुए, जिनमें भाजपा ने सात सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी मजबूत पकड़ का संकेत दिया। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने भी तीन सीटें जीतकर हालिया विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद आत्मविश्वास वापस पाने की कोशिशों को मजबूती दी है।

> **अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा**
> 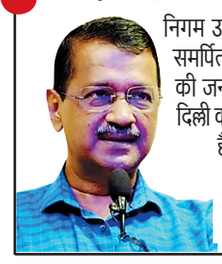
> निगम उपचुनाव में इस बार आम आदमी पार्टी ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा और दिल्ली की जनता ने अपने जनादेश से ये साफ़ कर दिया है कि दिल्ली का जनसमर्थन लगातार इसकी तरफ़ मज़बूत हो रहा है। सिर्फ़ 10 महीनों में ही जनता का विश्वास एक बार फिर तेज़ी से आम आदमी पार्टी की ओर लौट रहा है। दिल्ली बहुत जल्द वापस सकारात्मक राजनीति और अच्छे कामों की तरफ़ लौट रही है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को किया याद

पीएम मोदी, खरगे, नीतीश ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 03 दिसंबर. भारत के प्रथम राष्ट्रपति और संविधान सभा के अध्यक्ष रहे डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर आज पूरे देश में उन्हें नमन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई बड़े नेताओं ने एक्स पर पोस्ट साझा कर डॉ. प्रसाद के साधेपने, कर्तव्यनिष्ठा और देश-निर्माण में दिए उनके असाधारण योगदान को याद किया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत देश के कई नेताओं ने राजेन्द्र प्रसाद को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान निर्माण और राष्ट्र की मजबूत नींव रखने तक, डॉ. प्रसाद की भूमिका अतुलनीय रही है। उनके विचार, उनका धैर्य और उनकी दृढ़ राजनीतिकङ्कनैतिक आस्था आज भी हर पीढ़ी को मार्ग दिखाती है।

भारत के प्रथम राष्ट्रपति और संविधान निर्माण के प्रमुख स्तंभ डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर आज पूरे देश में श्रद्धांजलि और सम्मान की भावनाएं उमड़ पड़ीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई राष्ट्रीय नेताओं ने एक्स पर संदेश साझा कर उन्हें नमन किया और उनके उत्कृष्ट योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में डॉ. प्रसाद को स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय योद्धा, संविधान सभा के अध्यक्ष और राष्ट्र के पहले राष्ट्रपति के रूप में याद करते हुए कहा कि उन्होंने अद्वितीय दृढ़ता, मर्यादा और स्पष्ट उद्देश्य के साथ देश की सेवा की।

> **देश के कई नेताओं ने किया नमन**
> रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें असाधारण विनम्रता और शक्ति वाले राजनेता बताते हुए कहा कि डॉ. प्रसाद की संवैधानिक दृष्टि और उनके निर्णयों की पवित्रता भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को आज भी मजबूत आधार देती है। उन्होंने लिखा कि उनका जीवन राष्ट्र-निर्माण के लिए कार्यरत हर नागरिक के लिए प्रेरणा है। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और संविधान निर्माता के रूप में याद किया।

एआई चाय के चक्कर में फसी कांग्रेस

एआई वार! कांग्रेस ने शेयर किया पीएम मोदी का वीडियो, विवाद बढ़ा

नई दिल्ली 03 नवम्बर। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने पीएम मोदी का 6 सेकेंड का एआई वीडियो पोस्ट किया, बीजेपी ने कहा—ओबीसी समुदाय से आए प्रधानमंत्री का राजनीतिक अपमान। सोशल मीडिया पर एक बार फिर एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर तीखा राजनीतिक बयानबाज़ी का दौर शुरू हो गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए 6 सेकेंड के एआई वीडियो ने केंद्र की सत्ता और विपक्ष के बीच नए विवाद को जन्म दे दिया है। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाय बेचते हुए दिखाया गया है, जहाँ वे रेड कारपेट पर चलते हुए लोगों से चाय बोलो, चाय चाहिए कहते नज़र आते हैं। वीडियो के दृश्य और स्वरूप ने इसे तुरंत वायरल कर दिया, जिससे बीजेपी ने तीखी आपत्ति जताई और इसे प्रधानमंत्री का अपमान बताया। नए विवाद ने यह सवाल फिर खड़ा कर दिया है कि चुनावी राजनीति में एआई का इस्तेमाल कहाँ तक जायज़ है और सीमाएँ क्या होंगी। कांग्रेस द्वारा पोस्ट किया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नवीनतम एआई वीडियो एक बार फिर से भारतीय राजनीति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कंटेंट की भूमिका और उसके दुरुपयोग को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

> जवाब में भाजपा ने भी एआई वीडियो का सहारा लिया और लालू यादव, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव और राहुल गांधी का व्यंग्यात्मक- वीडियो जारी किया। इससे साफहै कि चुनावी अखाड़े में-अब सिर्फ मजाक तक सीमित नहीं, बल्कि एक राजनीतिक हथियार बन चुका है। समस्या यह है कि एआई वीडियो आम लोगों के लिए असली और नकली में फर्क करना मुश्किल बना रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चुनावी वर्ष में ऐसे वीडियो मतदाताओं को गुमराह कर सकते हैं.

आज का इतिहास

1971-दुनिया का सबसे पुराना रविवार का अखबार द ऑब्जर्वर का प्रकाशन पहली बार लंदन में हुआ।
1796-बाजीराव द्वितीय पेशवा बनाए गए।
1829 - वायसराय लार्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को समाप्त करने का ऐलान किया।
1910 - रामस्वामी वेंकटरमण का जन्म। वह भारत के 8वें राष्ट्रपति थे।
1919 - इन्द्र कुमार गुजराल का जन्म। वह भारत के 12वें प्रधानमंत्री थे।
1952 - इंग्लैंड में स्मॉग की घनी परत छाने के कारण हजारों लोगों की जान चली गई।

सरकार पर प्रकृति दोहन का आरोप

नयी दिल्ली 03 दिसंबर. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी नीत सरकार पर अरावली पहाड़ियों पर प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार आने वाली पीढ़ियों के हितों की अनदेखी कर प्रकृति का अंधाधुंध दोहन कर रही है।

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के एक अखबार में प्रकाशित उस लेख के संदर्भ में की है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार अरावली पहाड़ियों के लिए पर्यावरणीय परिभाषा बदल रही है और इससे पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति शुरु से ही गंभीर उदासीनता दिखाई है। वह प्राकृतिक दोहन को बढ़ावा देती है और धरती के लिए तथा आने वाली पीढ़ियों पर पड़ने वाले इसके प्रभावों को नजरअंदाज करती रही है। उन्होंने सवाल किया क्या नीति निर्माण कुछ लोगों को तात्कालिक लाभ पहुंचाने के लिए इस कदर कमजोर होनी चाहिए.

जल्द लागू होगी ओटीपी आधारित तत्काल टिकट प्रणाली

नयी दिल्ली. भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता को मजबूत करने के उद्देश्य से खिड़की से मिलने वाले तत्काल टिकटों के लिए ओटीपी आधारित टिकट वितरण प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। रेलवे की ओर से बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह नयी व्यवस्था अगले कुछ दिनों में देशभर के सभी आरक्षण काउंटरों पर लागू कर दी जाएगी। गौरतलब है कि रेलवे ने जुलाई में ऑनलाइन तत्काल टिकटों के लिए आधार ओटीपी सिस्टम लागू किया था। इसके बाद अक्टूबर में सभी सामान्य आरक्षण बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित ऑनलाइन टिकटिंग प्रणाली शुरू की गयी थी।

हलचल | **पुतिन के भारत दौरे से पहले तीन देशों के राजदूतों के लेख पर विवाद**

विदेश मंत्रालय ने तीन देशों के राजदूतों को दी नसीहत

नई दिल्ली, 03 दिसंबर. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 4 दिसंबर के भारत दौरे से ठीक पहले एक कूटनीतिक हलचल ने नई दिल्ली में गर्म माहौल पैदा कर दिया है। एक दिसंबर को जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन, फ्रांस के राजदूत थिरी मथोउ और ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून द्वारा टाइम्स ऑफ इंडिया में लिखे गए संयुक्त लेख ने विवाद को जन्म दे दिया है।

दुनिया चाहती है कि यूक्रेन युद्ध खत्म हो, लेकिन रूस शांति को लेकर गंभीर नहीं दिखता शीर्षक वाले इस लेख में तीनों राजनयिकों ने रूस पर युद्ध लंबा खींचने का सीधा आरोप लगाया है। लेख की शुरुआत में कहा गया है कि यूक्रेन पिछले तीन वर्षों से 'साहस और दृढ़ संकल्प' के साथ अपने देश की रक्षा कर रहा है, जबकि रूस शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा।

राजनयिकों ने दावा किया कि 2025 में रूसी हमलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और शांति प्रयासों के दौरान पुतिन ने 22 सबसे बड़े सैन्य हमले किए। लेख में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

उस टिप्पणी का भी हवाला दिया गया है किकिसी समस्या का हल युद्ध के मैदान में नहीं मिलता, जिसे उन्होंने भारत की स्पष्ट स्थिति बताया। हालाँकि लेख के प्रकाशन के तुरंत बाद रूस में भारत के पूर्व राजदूत और पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल के साथ भारतीय विदेश मंत्रालय एमईए ने इस कड़ा एतराज जताते हुए कहा की तीसरे देशों के संबंधो पर सार्वजानिक सलाह देना स्वीकार्य कूटनीति की प्रथा नहीं है। हम इस घटना पर जल्द ही संज्ञान लेंगे। ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

> रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा से ठीक पहले मॉस्को ने ऐसा बयान दिया है जिसने भारत की कूटनीतिक गणनाओं को और जटिल बना दिया है। दिमित्री पेस्कोव ने स्पष्ट कर दिया कि रूस भारत के साथ भी वैसी ही 'सीमाओं से परे' साझेदारी चाहता है जैसी वह चीन के साथ कायम कर चुका है। लेकिन यह निर्णय पूरी तरह भारत पर निर्भर है कि वह किस सीमा तक आगे बढ़ने को तैयार है। यह संकेत ऐसे समय आया है जब भारत पर पश्चिमी दबाव बढ़ा हुआ है, अमेरिकी टैरिफ भी संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं, और रूस चाहता है कि द्विपक्षीय व्यापार तथा ऊर्जा संबंध किसी तीसरे पक्ष के प्रभाव से मुक्त रहें।